

1	2	3
Assam . . . . .	21227	(8487) 40%
Arunachal . . . . .	2704	(192) 7%
Manipur . . . . .	1991	(1179) 59%
Meghalaya . . . . .	4687	(727) 16%
Mizoram . . . . .	229	(17) 7%
Nagaland . . . . .	962	(396) 41%
Tripura . . . . .	4932	(1919) 40%
Orissa . . . . .	51327	(26700) 52%
Punjab . . . . .	12197	(8727) 72%
Chandigarh . . . . .	21	(21) 100%
Haryana . . . . .	7177	(4871) 68%
Himachal Pradesh . . . . .	30850	(13240) 43%
Rajasthan . . . . .	36541	(20033) 52%
Tamilnadu . . . . .	25510	(25368) 99%
Pondicherry . . . . .	390	(390) 100%
Uttar Pradesh . . . . .	155134	(77966) 50%
West Bengal . . . . .	44818	(23348) 52%
Andaman Nicobar . . . . .	401	(121) 30%

### मध्य प्रदेश में पाकिस्तानी नागरिक

9461. श्री हुकम चन्द कछवाय :  
क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय दीर्घाविधि बीजा पर कितने पाकिस्तानी नागरिक मध्य प्रदेश में जिलावार है ; और

(ख) इनमें से कितने व्यक्तियों के बीजा की अवधि इस बीच एक बार से अधिक बढ़ाई गई है ?

गृह मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री एक० एच० मोहम्मद) : (क) और (ख). सूचना एकत्रित कं जा रही है और सभापटल पर रख दी जायेगी ।

### उत्तर प्रदेश की बीमार कपड़ा मिलों में कंट्रोलरों की नियुक्ति

9462. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या औद्योगिक विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) इस समय उत्तर प्रदेश में कितनी और कितन बीमार कपड़ा मिलों में सरकार ने कंट्रोलर नियुक्त किए हुये है ; और

(ख) उक्त मिलों द्वारा अर्जित हानि और लाभ का वर्ष 1973-74 का ग्योरा क्या है ?

औद्योगिक विकास तथा बिज्ञान और प्रौद्योगिकि मंत्री (श्री ली० सुब्रह्मण्यम्) : (क) और (ख). इस समय, उत्तर प्रदेश में 3

कपड़ा उपक्रम हैं जिनके प्रबन्ध को उपयोग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 और संकटग्रस्त कपड़ा उपक्रम (प्रबंध को हाथ में लेना) अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत सरकार द्वारा हाथ में ले लिया गया है। इन उपक्रमों के नाम और अप्रैल, 1973 से फरवरी, 1974 तक की अवधि में उनके द्वारा अर्जित लाभ (प्रतिम आंफड़े) निम्न प्रकार है:-

क्रम सं०	मिल का नाम	बोनस और मूल्यवृद्धि के पश्चात् लाभ (लाख रुपये)
उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम के अन्तर्गत		
1	म्योर मिल्स लि० कानपुर	4.76
2	श्री बिक्टोरिया मिल्स क० लि०, कानपुर	5.35
संकटग्रस्त कपड़ा उपक्रम (प्रबंध को हाथ में लेना) अधिनियम के अन्तर्गत		
3	बिजली काटन मिल्स मेठ रोड, हाथरस	2.39
4	लार्ड कृष्ण टेक्सटाइल मिल्स, सहारनपुर	12.82
5	श्री विक्रम काटन मिल्स लखनऊ	2.89

**Production and Demand of Photographic Paper**

9463. SHRI SAT PAL KAPUR Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) the production and demand of photographic paper in the country during the last three years, year-wise;

(b) whether the supply of photographic paper is in short and whether Government have received reports that most of the photographic paper available goes in the black market and the actual users are deprived of it,

(c) whether some representation has been made to his Ministry by the Delhi Professional Photographers' Association if so, their demands and the reaction of Government thereto, and

(d) whether there is any proposal to give quota of photo papers to the Association at 1st point sale price without middlemen/dealer and also to enhance the present quota of 1 lakh as an interim relief, if so, the facts thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (SHRI ZIAUR RAHMAN ANSARI): (a) The demand for photographic paper which is presently 35 million sq m per annum is likely to increase to 4.5 million sq m. during 1974-75. The production of photographic papers during 1971, 1972 and 1973 has been as under:-

1971	3 305 million sq. m.
1972	3 115 million sq. m.
1973	3 075 million sq. m.

(b) Government have not received any reports about either shortage of supply or black marketing in photographic paper

(c) and (d) No representation has been made by the Delhi Professional Photographers Association to this Ministry. However, they have submitted a Memorandum dated the 15th April, 1974 to the Chairman of Messrs. Hindustan Photo Films Mfg. Co. Ltd., in which their main demand relates to supply of photographic papers by